भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 2133

12 दिसंबर, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

हृदय रोग के लिए जागरूकता अभियान

2133. श्री संजय हरिभाऊ जाधवः

श्री संजय उत्तमराव देशमुखः

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि पिछले पांच वर्षों के दौरान देश में दिल के दौरे पड़ने के मामलों में तेजी से वृद्धि हुई है और यदि हां, तो महाराष्ट्र सहित राज्य-वार तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) देश में दिल के दौरे पड़ने की बढ़ती संख्या के मुख्य कारण क्या हैं तथा इन कारणों का पता लगाने के लिए सरकार द्वारा कराए गए किसी अध्ययन अथवा शोध, यदि कोई हो, का ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या सरकार ने दिल के दौरे पड़ने की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए कोई जन जागरूकता अभियान, नियमित स्वास्थ्य जांच कार्यक्रम और उपचार सेवाएं शुरू की हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(घ) देश में दिल की बीमारियों पर केंद्रित अनुसंधान की वर्तमान स्थिति क्या है और इस क्षेत्र में लगे बड़े सरकारी शोध संस्थान के नाम क्या हैं और उनकी क्या उपलब्धियां हैं; और
(ङ) क्या सरकार ने विशेष रूप से ग्रामीण, सीमांत और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के नागरिकों के लिए दिल के दौरे की जांच के लिए कोई विशेष उपाय किए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) और (ख): हृदयाघात से संबंधित मामलों के आंकड़ों का रख-रखाव केंद्रीय स्तर पर नहीं किया जाता है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने सूचित किया है कि हृदयघात के कारणों को समझने के लिए, आईसीएमआर-राष्ट्रीय महामारी विज्ञान संस्थान (आईसीएमआर-एनआईई) ने भारत भर के 25 अस्पतालों में बहु-केंद्रित समेल मामला-नियंत्रण अध्ययन किया। इन मामलों में अक्टूबर, 2021 और जनवरी, 2023 के बीच एएमआई के नए पहचाने गए मामलों के लिए अध्ययन अस्पतालों में भर्ती 18-45 वर्ष के मरीज थे। नियंत्रण के मामले में 18-45 वर्ष की आयु के वे रोगी शामिल थे, जो अन्य कारणों से उसी समय उस अस्पताल में भर्ती हुए थे। विभिन्न जोखिम घटकों से संबंधित सूचना एकत्रित की गई थी। अध्ययन में पाया गया कि एएमआई के साथ अस्पताल में भर्ती होना किसी ज्ञात सह-रुग्णता की उपस्थिति, थ्रोम्बोटिक घटना के पारिवारिक इतिहास और कभी धूम्रपान करने के कारण था।

(ग): राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) राष्ट्रीय गैर-संचारी रोगों की रोकथाम और नियंत्रण कार्यक्रम (एनपी-एनसीडी) के अंतर्गत राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करता है। हृदयवाहिका रोग एनपी-एनसीडी का एक अभिन्न अंग है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत, 770 जिला एनसीडी क्लीनिक, 6410 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एनसीडी क्लीनिक और 233 कार्डिक केयर यूनिट को स्थापित किया गया है।

भारत सरकार, राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा हृदय संबंधी रोगों सहित गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) के संबंध में जागरूकता सृजन के लिए एनएचएम के अंतर्गत वित्तीय सहायता प्रदान करती है। आयुष्मान आरोग्य मंदिर के माध्यम से व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य परिचर्या के अंतर्गत, सामुदायिक स्तर पर स्वास्थ्य संबंधी कार्यकलापों और लक्षित संचार को बढ़ावा देकर, निवारक पहलू को सुदृढ़ किया जाता है। इसके अतिरिक्त, भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण के माध्यम से स्वस्थ आहार को भी बढ़ावा दिया जाता है। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा फिट इंडिया अभियान का क्रियान्वयन किया जाता है, और आयुष मंत्रालय द्वारा योग संबंधी विभिन्न क्रियाकलाप संचालित किए जाते हैं।

(घ): आईसीएमआर ने पिछले दो वर्षों में हृदय संबंधी विकारों पर शोध के लिए दो उन्नत अनुसंधान केंद्रों (सीएआर) को वित्त पोषित किया है। ये केंद्र हैं:

i. हृदय विफलता में उन्नत अनुसंधान और उत्कृष्टता केंद्र, चरण II, श्री चित्रा तिरुनल आयुविज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, केरल।
ii. समग्र भारत में विभिन्न आबादी समूहों में हृदय रोग (सीवीडी) के बोझ को कम करने के लिए एक समन्वित, बहुआयामी, अनुकूलित, कम लागत वाले परिचर्या पैकेज (आईपी) को प्रभाव, लागत-प्रभावशीलता और स्थिरता का अध्ययन केंद्र सेंट जॉन मेडिकल कॉलेज अस्पताल, बेंगलुरु।

(ङ): राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अंतर्गत व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल के हिस्से के रूप में देश में मधुमेह और उच्च रक्तचाप सहित आम गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) की रोकथाम, नियंत्रण और जांच के लिए एक जनसंख्या-आधारित पहल शुरू की गई है। इस पहल के तहत, 30 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों को जांच के लिए लक्षित किया गया है।

इसके अलावा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने 30 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों की व्यापक जांच सुनिश्चित करने के लिए एनसीडी जांच अभियान (20 फरवरी, 2025 से 31 मार्च, 2025) शुरू किया था। यह अभियान राष्ट्रीय गैर-संचारी रोग रोकथाम एवं नियंत्रण कार्यक्रम के तहत एएएम और अन्य स्वास्थ्य परिचर्या सुविधा केंद्रों में राष्ट्रव्यापी स्तर पर चलाया गया था।

तीव्र हृदय संबंधी घटनाओं के प्रबंधन के लिए हब-एंड-स्पोक मॉडल लागू किया गया है। जिला अस्पताल और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (स्पोक) प्रारंभिक थ्रोम्बोलिसिस और स्थिरीकरण प्रदान करने के लिए सुसज्जित हैं, जबकि विशिष्ट अस्पताल और मेडिकल कॉलेज (हब) उन्नत परिचर्या प्रदान करते हैं। एम्बुलेंस सेवाएं, टेलीमेडिसिन प्लेटफॉर्म और सुव्यवस्थित रेफरल प्रक्रियाएं विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंच को और बेहतर बनाती हैं।

*****